भारत-अफ्रीका विकास साझेदारी पर सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव

प्रसंग : भारत-अफ्रीका विकास साझेदारी पर सीआईआई-एक्ज़िम बैंक कॉन्क्लेव में एक बयान में, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक पुनर्संतुलन प्राप्त करने के लिए अफ्रीका के उदय की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला।

- विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने वैश्विक पुनर्संतुलन के लिए अफ्रीका के उदय के महत्व पर जोर दिया।
- भारत लंबी अवधि के लिए अफ्रीका में क्षमताओं को बढ़ावा देने और क्षमताओं का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- डॉ. एस जयशंकर ने अफ्रीका को प्रदान किए गए 12.37 बिलियन डॉलर से अधिक के भारत के रियायती ऋण का उल्लेख किया।
- अफ्रीका में पेयजल योजनाओं, सिंचाई, ग्रामीण सौर विद्युतीकरण बिजली संयंत्रों और पारेषण लाइनों सहित कई परियोजनाएं पूरी की गई हैं।
- इन परियोजनाओं ने न केवल जीवन में सुधार किया है बल्कि अफ्रीका में स्थानीय रोजगार भी सृजित किया है।
- भारत ने विशेष रूप से कोविड-19 महामारी के दौरान अफ्रीका के साथ सहायता और भागीदारी की है।
- भारत अफ्रीकी देशों में संयुक्त विनिर्माण सुविधाओं का पता लगाने के लिए दवा और वैक्सीन निर्माताओं को प्रोत्साहित करता है।
- भारत-अफ्रीका साझेदारी का भविष्य डिजिटलीकरण, हरित पहल, स्वास्थ्य देखभाल और खाद्य और जल सुरक्षा पर केंद्रित है।

भारत-अफ्रीका व्यापार संबंध

- 2020-21 में 55.9 बिलियन डॉलर मूल्य का द्विपक्षीय व्यापार, 2019-20 की तुलना में 10.8 बिलियन डॉलर और 2014-15 के चरम वर्ष की तुलना में 15.5 बिलियन डॉलर गिर गया।
- 1996 से मार्च 2021 तक, 25 वर्षों में कुल निवेश अब केवल $70.7 बिलियन है, जो अफ्रीका में चीन के निवेश का लगभग एक-तिहाई है।
- COVID-19 ने भारतीय और अफ्रीकी अर्थव्यवस्थाओं पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है।
- आज भारत के शीर्ष पांच बाजार हैं दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, मिस्र, केन्या और टोगो । जिन देशों से भारत सबसे अधिक आयात करता है उनमें दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, मिस्र, अंगोला और गिनी शामिल हैं।
- अफ्रीका को भारत के शीर्ष तीन निर्यात खनिज ईंधन और तेल (प्रसंस्कृत पेट्रोलियम उत्पाद), दवाइयां और वाहन हैं।
- खनिज ईंधन और तेल, (अनिवार्य रूप से कच्चा तेल) और मोती, कीमती पत्थर शीर्ष दो आयात हैं जो अफ्रीका से हमारे 77% से अधिक आयात के लिए जिम्मेदार हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ

- भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) भारत में एक प्रमुख व्यावसायिक संघ है।
- इसका गठन 1895 में हुआ था और यह देश के सबसे पुराने और सबसे बड़े उद्योग संघों में से एक है।
- CII भारतीय व्यवसायों के लिए एक सक्षम वातावरण बनाने और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने की दिशा में काम करता है।
- यह आर्थिक विकास और सतत विकास को चलाने के लिए उद्योग, सरकार और समाज के साथ सहयोग करता है।
- CII अपने विविध सदस्यता आधार के बीच नीति समर्थन, उद्योग अनुसंधान और ज्ञान साझा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एक्ज़िम बैंक

- भारतीय EXIM बैंक, जिसे भारत के निर्यात-आयात बैंक के रूप में भी जाना जाता है, देश का प्रमुख निर्यात वित्त संस्थान है।
- 1982 में स्थापित, यह भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के दायरे में काम करता है।
- बैंक का उद्देश्य वित्तीय सहायता, निर्यात ऋण और निर्यात संबंधी सेवाएं प्रदान करके भारत के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बढ़ाना है।
- एक्ज़िम बैंक विभिन्न उत्पादों और सेवाओं के माध्यम से भारतीय निर्यातकों और आयातकों का समर्थन करता है, जैसे प्री-शिपमेंट और पोस्ट-शिपमेंट वित्तपोषण, निर्यात ऋण बीमा और गारंटी।
- यह भारत में विदेशी निवेश की सुविधा भी देता है और विदेशों में परियोजनाओं और पहलों का समर्थन करने के लिए ऋण की पेशकश करता है।
- बैंक भारत के निर्यात को बढ़ावा देने, व्यापार को सुविधाजनक बनाने और देश के आर्थिक विकास और विकास में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

अफ्रीका में विभिन्न HADR संचालन

- **ऑपरेशन सहायता 2019:**
    - यह 2019 में मोज़ाम्बिक को मानवीय सहायता और आपदा राहत (HADR) प्रदान करने के लिए एक भारतीय ऑपरेशन था। चक्रवात IDAI ने मोज़ाम्बिक, ज़िम्बाब्वे और मलावी को बहुत नुकसान पहुँचाया था।

- आईएनएस सुजाता, आईसीजीएस सारथी और आईएनएस शार्दुल ने एचएडीआर किया
- 15 मार्च 2019 को मोज़ाम्बिक में आए चक्रवात आईडीएआई के बाद उभर रहे मानवीय संकटों में भारत की नौसेना पहली प्रतिक्रियाकर्ता थी

➢ **ऑपरेशन वेनिला 2020:**

- चक्रवात डायने के मद्देनजर मोजाम्बिक को एचएडीआर प्रदान करने के लिए यह एक भारतीय ऑपरेशन था।
- आईएनएस ऐरावत (उभयचर जहाज) राहत सामग्री के साथ भेजा गया था।

ट्रांसजेनिक फसलें

संदर्भ : गुजरात, महाराष्ट्र और तेलंगाना ने कपास के एक महत्वपूर्ण कीट, पिंक बॉलवॉर्म से निपटने में इसकी प्रभावशीलता पर चिंता के कारण आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) कपास के बीज का परीक्षण स्थगित कर दिया है, जिसे जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) द्वारा अनुमोदित किया गया है।

- बायोसीड रिसर्च इंडिया ने आनुवंशिक रूप से संशोधित कपास के बीज को Cry2Ai जीन युक्त विकसित किया है जो इसे गुलाबी बॉलवर्म के लिए प्रतिरोधी बनाता है।
- बीज ने सीमित परीक्षणों को पार कर लिया है और तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा में परीक्षण के लिए GEAC से सिफारिश प्राप्त की है।
- केवल हरियाणा ने परीक्षणों की अनुमति दी, जबकि तेलंगाना और गुजरात ने मना कर दिया, जबकि गुजरात ने कोई कारण नहीं बताया।
- जीईएसी ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) और ICAR से GM फसल प्रौद्योगिकी और नियामक ढांचे के बारे में राज्य सरकारों को सूचित करने के लिए क्षमता निर्माण गतिविधियों का आयोजन करने का अनुरोध किया है।
- कार्यकर्ता समूहों ने पक्षपातपूर्ण लॉबिंग पर विचार करते हुए जीईएसी के दृष्टिकोण पर आपत्तियां उठाईं।

ट्रांसजेनिक फसलें क्या हैं?

- ट्रांसजेनिक पौधों को आनुवंशिक रूप से आनुवंशिक इंजीनियरिंग तकनीकों के उपयोग के माध्यम से संशोधित किया जाता है।
- इसका उद्देश्य नए लक्षणों को पेश करना है जो पौधों की प्रजातियों में स्वाभाविक रूप से नहीं होते हैं।
- ट्रांसजेनिक पौधों में कृत्रिम रूप से डाले गए जीन होते हैं, जिन्हें ट्रांसजीन कहा जाता है, जो असंबंधित पौधों या विभिन्न प्रजातियों से आ सकते हैं।
- जीन सम्मिलन का उद्देश्य पौधे की उपयोगिता और उत्पादकता को बढ़ाना है।
- ट्रांसजेनिक पौधों के लाभों में बेहतर शेल्फ लाइफ, उच्च उपज, बढ़ी हुई गुणवत्ता, कीटों के प्रति प्रतिरोध और गर्मी, ठंड और सूखे जैसे विभिन्न पर्यावरणीय तनावों के प्रति सहनशीलता शामिल है।
- ट्रांसजेनिक पौधों को औद्योगिक और औषधि अनुप्रयोगों के साथ विदेशी प्रोटीन का उत्पादन करने के लिए भी परिरूपित किया जा सकता है।
- पौधों का उपयोग टीके या एंटीबॉडी उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है, जिन्हें प्लांटिबॉडी कहा जाता है, जो फायदेमंद होते हैं क्योंकि वे मानव रोगों से मुक्त होते हैं, वायरस और जीवाणु विषाक्त पदार्थों के लिए स्क्रीनिंग लागत को कम करते हैं।

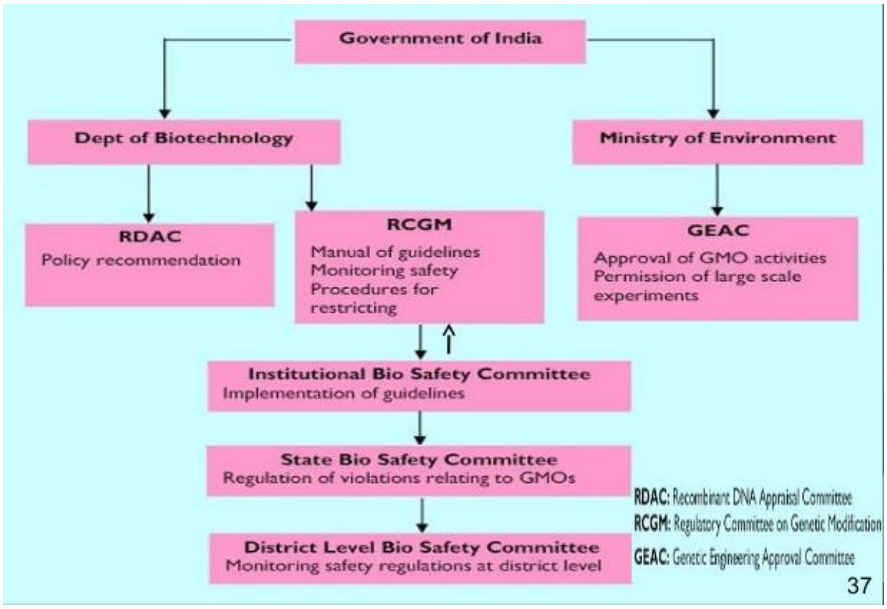

भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित (ट्रांसजेनिक) फसलों की स्थिति

- बैंगन, टमाटर, मक्का और चने जैसी विभिन्न फसलों के परीक्षणों में ट्रांसजेनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है।
- कपास वर्तमान में भारत में व्यावसायिक रूप से खेती की जाने वाली एकमात्र ट्रांसजेनिक फसल है।
- आनुवंशिक रूप से संशोधित (GM) बीजों के परीक्षण के प्रस्तावों के मूल्यांकन के लिए जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) जिम्मेदार है।
- एक महत्वपूर्ण अंतराल के बाद, जीईएसी ने 18 अक्टूबर, 2022 को अपनी 147वीं बैठक के दौरान सरसों हाइब्रिड डीएमएच-11 और इसकी पैत्रिक वंशावलियों को पर्यावरणीय रूप से जारी करने को मंजूरी दे दी।
- अनुमोदन बीज उत्पादन और परीक्षण की अनुमति देता है, फसल को पूर्ण व्यावसायिक खेती के करीब एक कदम लाता है।

जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC)

- जेनेटिक इंजीनियरिंग मूल्यांकन समिति (GEAC) पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (MoEF&CC) के तहत काम करती है।
- इसकी भूमिका में प्रयोगात्मक क्षेत्र परीक्षणों सहित पर्यावरण में आनुवंशिक रूप से इंजीनियर जीवों और उत्पादों की रिहाई के संबंध में प्रस्तावों का मूल्यांकन करना शामिल है।
- GEAC, या अधिकृत व्यक्ति, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत दंडात्मक कार्रवाइयों को लागू करने की शक्ति रखते हैं।
- MoEF&CC के विशेष सचिव/अतिरिक्त सचिव द्वारा की जाती है और जैव प्रौद्योगिकी विभाग (DBT) के एक प्रतिनिधि द्वारा सह-अध्यक्षता की जाती है।
- वर्तमान में, GEAC में 24 सदस्य हैं और नामित क्षेत्रों में आवेदनों की समीक्षा करने के लिए मासिक रूप से बुलाई जाती है।
- सदस्यों में ICAR, ICMR, CCMB सहित विभिन्न मंत्रालयों और संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

G20 कृषि मंत्रिस्तरीय बैठक

संदर्भ: हाल ही में, G20 कृषि मंत्रिस्तरीय बैठक हैदराबाद में होने वाली है, जो 15 से 17 जून 2023 तक तीन दिनों तक चलेगी।

मुख्य विशेषताएं:

- G20 सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के 200 से अधिक प्रतिनिधि भाग लेंगे।
- स्थायी कृषि, खाद्य सुरक्षा, महिलाओं के नेतृत्व वाली कृषि, जैव विविधता और जलवायु समाधान पर चर्चा।
- कृषि व्यवसाय प्रबंधन और कृषि में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की शक्ति पर ध्यान केंद्रित करने वाले साइड इवेंट्स।
- कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगे।

G20 क्या है?

G20, जिसे ग्रुप ऑफ ट्वेंटी के रूप में भी जाना जाता है, 19 देशों और यूरोपीय संघ से बना एक अंतर्राष्ट्रीय मंच है। यह वैश्विक आर्थिक और वित्तीय मुद्दों पर नीतियों पर चर्चा और समन्वय करने के लिए दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है। G20 सदस्य देश दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 80% और इसकी दो-तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सदस्य देश:

G20 में 19 व्यक्तिगत देश और यूरोपीय संघ शामिल हैं। 19 सदस्य देश अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका हैं।

उद्देश्य:

G20 का मुख्य उद्देश्य वैश्विक आर्थिक स्थिरता और सतत विकास को बढ़ावा देना है। यह अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय और आर्थिक मुद्दों पर नीतियों पर चर्चा और समन्वय करने के लिए सदस्य देशों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। G20 का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय संरचना को मजबूत करना, देशों के बीच सहयोग बढ़ाना और आर्थिक विकास, व्यापार, निवेश और वित्तीय नियमों से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना है।

स्थापना:

G20 की स्थापना 1999 में 1990 के दशक के अंत के वित्तीय संकट के जवाब में की गई थी। इसने उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को शामिल करने और बदलते वैश्विक आर्थिक परिदृश्य को दर्शाने के लिए पिछले G7/G8 प्रारूप को बदल दिया।

महत्व: G20 बैठकें देशों को व्यापार, निवेश, राजकोषीय नीतियों, मौद्रिक नीतियों, वित्तीय विनियमों और वैश्विक अर्थव्यवस्था के अन्य आर्थिक मामलों जैसे मुद्दों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करती हैं।

पहला G20 शिखर सम्मेलन कब और कहाँ आयोजित किया गया था?

पहला G20 शिखर सम्मेलन 15-16 दिसंबर, 1999 को बर्लिन, जर्मनी में आयोजित किया गया था। यह शुरुआत में 1990 के दशक के अंत में वित्तीय संकट के जवाब में स्थापित किया गया था।

G20 के साथ संबद्ध अंतर्राष्ट्रीय संगठन:

G20 से जुड़े अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं:

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), विश्व बैंक, आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD), विश्व व्यापार संगठन (WTO), वित्तीय स्थिरता बोर्ड (FSB) और संयुक्त राष्ट्र (UN)।

समान नागरिक संहिता

संदर्भ: हाल ही में, भारत के 22वें विधि आयोग ने समान नागरिक संहिता पर जनता के विचारों और विचारों को इकट्ठा करने के लिए एक प्रक्रिया शुरू की है।

मुख्य विशेषताएं:

- इच्छुक व्यक्तियों और मान्यता प्राप्त धार्मिक संगठनों को अपने दृष्टिकोण योगदान करने के लिए आमंत्रित किया जाता है।
- विचार और विचार प्रस्तुत करने के लिए 30 दिन की अवधि आवंटित की गई है।
- विचार ऑनलाइन या मेल द्वारा मेंबरसेक्रेटरी-lci@gov.in पर आयोग को भेजे जा सकते हैं।

समान नागरिक संहिता क्या है?

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) भारत के सभी नागरिकों पर लागू होने वाले नागरिक कानूनों का एक सामान्य सेट बनाने का एक प्रस्ताव है, भले ही उनकी धार्मिक मान्यताएं या व्यक्तिगत कानून कुछ भी हों। इसका उद्देश्य मौजूदा व्यक्तिगत कानूनों को बदलना है जो विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे मामलों को नियंत्रित करते हैं, जो विभिन्न धार्मिक समुदायों के लिए विशिष्ट हैं।

समान नागरिक संहिता की अवधारणा:

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) की अवधारणा का तात्पर्य भारत के सभी नागरिकों के लिए उनके धार्मिक या व्यक्तिगत विश्वासों के बावजूद नागरिक कानूनों का एक सामान्य समूह होने के विचार से है।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता का उल्लेख है। यह संविधान के भाग IV में निहित राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों में से एक है। अनुच्छेद 44 में कहा गया है कि राज्य भारत के पूरे क्षेत्र में नागरिकों के लिए एक समान नागरिक संहिता को सुरक्षित करने का प्रयास करेगा।

उद्देश्य:

इसका उद्देश्य मौजूदा व्यक्तिगत कानूनों को बदलना है जो विभिन्न धार्मिक समुदायों के लिए विशिष्ट हैं और एक समान कोड स्थापित करना है जो विवाह, तलाक, विरासत, गोद लेने और उत्तराधिकार जैसे मामलों को नियंत्रित करता है।

भारत में समान नागरिक संहिता लागू करने का उद्देश्य:

भारत में समान नागरिक संहिता को लागू करने का उद्देश्य लैंगिक समानता, सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी नागरिक, उनकी धार्मिक संबद्धता की परवाह किए बिना, समान नागरिक कानूनों के अधीन हैं। UCC का इरादा व्यक्तिगत कानूनों में प्रचलित असमानताओं और भेदभावपूर्ण प्रथाओं को दूर करना और संवैधानिक सिद्धांतों को कायम रखने वाला एक सामान्य ढांचा स्थापित करना है।

पिछड़े आदिवासियों के लिए एचडीआई

संदर्भ: हाल ही में, केंद्र सरकार पूरे भारत में 22,000 से अधिक गांवों में रहने वाले विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के लिए विशेष रूप से मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) विकसित करने की पहल कर रही है।

मुख्य विशेषताएं:

केंद्र सरकार ग्रामीण स्तर पर पीवीटीजी के जीवन में बदलाव की जानकारी एकत्र करने और दस्तावेज़ीकरण करने के लिए एक सर्वेक्षण तैयार करने की योजना बना रही है।

इसका उद्देश्य आदिम ई आदिवासी समूहों के लिए एक एचडीआई बनाना है और उनके जीवन पर सरकारी नीतियों के प्रभावों की मात्रा निर्धारित करना है।

प्रधान मंत्री आदिम कमजोर जनजातीय समूह (पीएम-पीवीटीजी) विकास मिशन, ₹15,000 करोड़ के बजट के साथ, सभी 22,544 पीवीटीजी गांवों को बुनियादी सरकारी सेवाएं प्रदान करना है।

पीवीटीजी क्या है?

विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (PVTGs) भारत में विशिष्ट जनजातीय समुदायों को संदर्भित करते हैं जो एक विशिष्ट सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पहचान के साथ-साथ कुछ कमजोरियों और हाशिए पर हैं।

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) क्या है?

मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) एक समग्र उपाय है जिसका उपयोग देशों के विकास स्तरों का आकलन और तुलना करने के लिए किया जाता है। यह मानव कल्याण और प्रगति की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर से संबंधित कई संकेतकों को ध्यान में रखता है।

कौन सी संस्था एचडीआई प्रकाशित करती है?

मानव विकास सूचकांक संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) द्वारा प्रतिवर्ष प्रकाशित किया जाता है। यह यूएनडीपी की मानव विकास रिपोर्ट (एचडीआर) का एक हिस्सा है, जो विश्व स्तर पर मानव विकास के विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण करती है।

एचडीआई गणना में आयाम:

एचडीआई की गणना में माने जाने वाले तीन मुख्य आयाम हैं:

1. जन्म के समय जीवन प्रत्याशा, जो स्वास्थ्य घटक को दर्शाती है।
2. स्कूली शिक्षा के औसत वर्ष और स्कूली शिक्षा के अपेक्षित वर्ष, जो शिक्षा घटक को दर्शाते हैं।
3. प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई), जो जीवन स्तर के घटक को दर्शाती है।

उच्चतम HDI रैंकिंग वाला देश:

नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, नॉर्वे ने लगातार उच्चतम एचडीआई वाले देशों में स्थान बनाया है। हालाँकि, रैंकिंग समय के साथ भिन्न हो सकती है क्योंकि देश प्रगति करते हैं या विकास के विभिन्न पहलुओं में चुनौतियों का सामना करते हैं।

विकास के उपाय के रूप में HDI का उद्देश्य:

एचडीआई का उपयोग करने का उद्देश्य आर्थिक विकास (जीडीपी द्वारा मापा गया) पर एक संकीर्ण फोकस से आगे बढ़ना और देश के विकास का अधिक व्यापक मूल्यांकन प्रदान करना है। यह व्यक्तियों की भलाई पर जोर देता है, जिसमें उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवन स्तर शामिल हैं, और विकास में असमानताओं और अंतराल को उजागर करने में मदद करता है।

W20 एंगेजमेंट समूह

संदर्भ: प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी चेन्नई के पास महाबलीपुरम में W20 एंगेजमेंट समूह में उद्घाटन भाषण देंगे।

मुख्य विशेषताएं:

- केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी मुख्य भाषण देंगी और विज्ञप्ति जारी करेंगी।
- दो दिवसीय महिला 20 बैठक महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और लैंगिक समानता और महिलाओं के आर्थिक समावेश से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने पर केंद्रित है।
- जनभागीदारी कार्यक्रम में विकास की सफलता की कहानियों पर प्रकाश डाला गया और लोगों के जीवन पर पहल के प्रभाव को प्रदर्शित किया गया।

महिला 20 (W20) के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं?

महिला 20 (W20) के प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना।
- लिंग-समावेशी नीतियों की वकालत करना।
- महिलाओं के आर्थिक समावेशन को बढ़ाना।
- लैंगिक असमानताओं को संबोधित करना।
- नीति संवाद में संलग्न होना।
- G20 एजेंडा को प्रभावित करना।

W20 क्या है?

W20 (महिला 20) G20 ढांचे के भीतर एक जुड़ाव समूह है जो महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह एक ऐसा मंच है जहां नागरिक समाज संगठनों के प्रतिनिधि, महिला अधिकारों के पैरोकार और विशेषज्ञ महिलाओं के आर्थिक समावेशन से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने और G20 नेताओं को नीतिगत सिफारिशें प्रदान करने के लिए एक साथ आते हैं।

W20 की स्थापना:

W20 एंगेजमेंट समूह की स्थापना 2015 में तुर्की G20 प्रेसीडेंसी के तहत की गई थी और बाद के G20 शिखर सम्मेलन में अपनी गतिविधियों को जारी रखा है।

रामगढ विषधारी टाइगर रिजर्व

संदर्भ: राजस्थान के बूंदी जिले में हाल ही में स्थापित रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (आरवीटीआर) अपने बफर जोन के भीतर एक वन्यजीव सफारी का उद्घाटन करने के लिए तैयार है।

स्थान:

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व राजस्थान के बूंदी जिले में स्थित है। यह रणथंभौर टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र से मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व तक फैला हुआ है।

टाइगर रिजर्व स्थिति:

RVTR को बाघ संरक्षण के लिए इसके महत्व को पहचानते हुए 16 मई, 2022 को आधिकारिक रूप से बाघ अभयारण्य के रूप में नामित किया गया था।

नदी और वनस्पति:

मेज नदी, चंबल नदी की एक सहायक नदी है, जो टाइगर रिजर्व से होकर बहती है। प्रमुख वनस्पति शुष्क पर्णपाती वन है, जिसमें ढोक के पेड़ प्रमुख प्रजातियाँ हैं। अन्य वनस्पतियों में खैर, रोंज, अमलतास, गुरजन और सालेर शामिल हैं।

स्थलाकृति:

रिज़र्व की स्थलाकृति कोमल ढलानों से खड़ी चट्टानी चट्टानों तक भिन्न होती है, जिसमें विंध्य पहाड़ियों और अरावली पर्वतमाला का मिश्रण होता है।

वन्यजीव:

RVTR वन्यजीवों की विविध श्रेणी का घर है। यह जंगली बिल्ली, सुनहरी सियार, लकड़बग्घा, क्रेस्टेड साही, भारतीय हेजहोग, रीसस मकाक, हनुमान लंगूर और भारतीय स्टार कछुआ जैसी प्रजातियों के साथ-साथ तेंदुओं और सुस्त भालुओं की आबादी का समर्थन करता है।

संरक्षण के प्रयास:

आरवीटीआर की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र की जैव विविधता की रक्षा करना और प्रमुख प्रजातियों, विशेष रूप से बाघों और उनके आवासों के संरक्षण को बढ़ावा देना है।

RVTR से होकर गुजरने वाली नदी:

मेज नदी, चंबल नदी की एक सहायक नदी, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व से होकर गुजरती है।

निकटवर्ती प्रसिद्ध बाघ अभ्यारण्य:

आरवीटीआर से सटे दो प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व हैं:

1. रणथंभौर टाइगर रिजर्व और
2. मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व।

अंतर्राष्ट्रीय ग्रीन एप्पल पुरस्कार

संदर्भ: हाल ही में, तेलंगाना की पांच इमारतों और संरचनाओं को प्रतिष्ठित इंटरनेशनल ग्रीन एप्पल अवार्ड्स फॉर ब्यूटीफुल बिल्डिंग्स के लिए मान्यता और चयन किया गया है।

मुख्य विशेषताएं:

- चयनित इमारतों में मोज़्ज़म-जाही मार्केट, दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज, बी आर अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय भवन, तेलंगाना पुलिस का एकीकृत कमांड कंट्रोल सेंटर और यदाद्री मंदिर शामिल हैं।
- मोज़्ज़म-जाही मार्केट को हेरिटेज श्रेणी में उत्कृष्ट बहाली और पुन: उपयोग के लिए स्वीकार किया गया है।
- दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज को ब्रिज श्रेणी में अपने अनूठे डिजाइन के लिए मान्यता दी गई है।
- बी आर अम्बेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय भवन को सौंदर्यपूर्ण रूप से डिज़ाइन किए गए कार्यालय और कार्यक्षेत्र भवन श्रेणी में पुरस्कार मिला है।
- तेलंगाना पुलिस के इंटीग्रेटेड कमांड कंट्रोल सेंटर को यूनिक ऑफिस कैटेगरी में सम्मानित किया गया है।
- भगवान लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के निवास स्थान यदाद्री मंदिर को उत्कृष्ट धार्मिक संरचनाओं की श्रेणी में मान्यता दी गई है।
- पुरस्कार समारोह महीने की 16 तारीख को लंदन में होगा, जिसमें विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार पुरस्कार प्राप्त करने के लिए राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इंटरनेशनल ग्रीन एप्पल अवार्ड क्या है?

सुंदर इमारतों के लिए इंटरनेशनल ग्रीन एप्पल अवार्ड्स एक वार्षिक मान्यता कार्यक्रम है जो उत्कृष्ट इमारतों और संरचनाओं को उनकी वास्तुकला की सुंदरता, पर्यावरणीय स्थिरता और समुदाय पर सकारात्मक प्रभाव के लिए सम्मानित करता है।

द्वारा आयोजित किया गया:

इंटरनेशनल ग्रीन ऐप्पल अवार्ड्स का आयोजन लंदन स्थित एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी संगठन द्वारा किया जाता है, जिसे "द ग्रीन ऑर्गनाइजेशन" कहा जाता है।